Total No. of Questions – 8] [Total Pages : 4

(2022)

9377

M.A. Examination

SOCIOLOGY

(Perspectives on Indian Society)

Paper : V

(Semester-II)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note : Attempt *four* questions in all, selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.

नोट : प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए कुल **चार** प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

UNIT-I

(इकाई-I)

1. Critically examine the ideas of D.D. Kosambi and Romila Thapar on the issues related to Ancient society.

   प्राचीन समाज से संबंधित मुद्दों पर डी.डी. कोसंबी और रोमिला थापर के विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

OR

(अथवा)

2. How Indian society has evolved in Civilizational context? Explain the ideas of N. K. Bose.

   सभ्यता के संदर्भ में भारतीय समाज कैसे विकसित हुआ है? एन.के. बोस. के विचारों की व्याख्या कीजिए।

UNIT–II

(इकाई-II)

3. Write a detailed note on Indological perspective as given by G.S. Ghurye to explain Indian Society.

   भारतीय समाज की व्याख्या करने के लिए जी.एस. घुर्ये द्वारा दिए गये भारतीय अध्ययन परिप्रेक्ष्य पर एक विस्तृत नोट लिखिए।

OR

(अथवा)

4. Critically examine the concepts of Parochialization and Universalization as discussed by Mckim Marriot in modern Indian context.

आधुनिक भारतीय संदर्भ में मैकिम मैरियट द्वारा चर्चा की गई संकीर्णता और सार्वभौमिकरण की अवधारणाओं का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

UNIT-III

(इकाई-III)

5. Examine the role of traditions in understanding various processes of Social change in India by elaborating the ideas of D.P. Mukherjee.

डी.पी. मुखर्जी के विचारों को विस्तार से बताते हुए भारत में सामाजिक परिवर्तन की विभिन्न प्रक्रियाओं को समझने में परंपराओं की भूमिका का परीक्षण करें।

OR

(अथवा)

6. Critically analyse the process of transformation of Indian society from Marxist perspective as given by A.R. Desai.

ए.आर.देसाई द्वारा दिए गये मार्क्सवादी दृष्टिकोण से भारतीय समाज के परिवर्तन की प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

UNIT-IV

(इकाई-IV)

7. Why there is need for indegenization of Indian sociology? Explain.

भारतीय समाजशास्त्र को स्वेदशीकरण की आवश्यकता क्यों है? व्याख्या कीजिए।

OR

(अथवा)

8. Is it possible to use native categories for the analysis of Indian society? Discuss.

क्या भारतीय समाज के विश्लेषण के लिए देशी श्रेणियों का उपयोग करना संभव है? विवेचना कीजिए।